B.K. BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
A CBSE DAY-CUM-BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL

PRE MID TERM EXAM. (2025-26)
HINDI (085)

Class: X **MARKING SCHEME** Duration : 1.00 Hrs
Date : 05.08.2025 Max. Marks: 25

खण्ड 'क' : अपठित पद्यांश

प्रश्न 01 : पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर – (अंक 5)

1. (ख) गिरधारी लाला की
2. (ग) जागीर
3. (घ) श्वेतांबर
4. (ग) एक दो और चार
5. (घ) वाचन

खण्ड 'ख' : व्याकरण (अंक 12)

प्रश्न 02 : पदबंध (कोई तीन) (अंक 3)

1. क्रिया विशेषण पदबंध: हवेली से दालान की ओर
2. रेखांकित पदबंध का भेद: विशेषण पदबंध – 'बड़ी और विशाल' दोनों शब्द संज्ञा 'ठाकुरबाड़ी' की विशेषता बता रहे हैं।
3. पदबंध की परिभाषा:
   पदबंध दो या दो से अधिक शब्दों का ऐसा समूह होता है जो वाक्य में एक पद की तरह कार्य करता है।
   उदाहरण: लाल रंग की साड़ी (विशेषण पदबंध)
4. रेखांकित पदबंध का भेद: समयवाचक क्रिया विशेषण पदबंध – "अवकाश के दिनों में"

प्रश्न 03 : वाक्य रूपांतरण (कोई तीन) (अंक 3)

1. उत्तर: मिश्र वाक्य में एक मुख्य और एक या अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं। इसे संयोजक शब्दों के माध्यम से दो स्वतंत्र उपवाक्यों में बदला जाता है।
   उदाहरण (मिश्र वाक्य): यदि वह आएगा तो मैं जाऊँगा।
   संयुक्त वाक्य: वह आएगा और मैं जाऊँगा।
2. सरल वाक्य: नाव मझधार में फँसी थी और उस पर सवार लोग चिल्ला रहे थे।
   → मझधार में फँसी नाव पर सवार लोग चिल्ला रहे थे।
3. उत्तर: सरल वाक्य – इसमें दोनों स्वतंत्र उपवाक्य आपस में जुड़े हैं।
4. वाक्य का भेद: यह एक सरल वाक्य है – एक ही भाव व्यक्त करता है।

प्रश्न 04 : समास (कोई तीन) (अंक 3)

1. द्विगु समास: जिसमें पूर्वपद संख्या वाचक हो और उत्तरपद संज्ञा हो।
   उदाहरण: त्रिलोक (तीन लोकों का समाहार)
2. उत्तर: तुलसीकृत रामचरितमानस प्रसिद्ध ग्रंथ है।
   समास: कर्मधारय समास
3. त्रिनेत्र: तीन नेत्र
   विग्रह: तीन नेत्रों का समाहार
   समास का कारण: संख्यावाचक विशेषण + संज्ञा = द्विगु समास
4. समस्त पद: क्रोधाग्नि
   समास का नाम: कर्मधारय समास

प्रश्न 05 : मुहावरे (कोई तीन) (अंक 3)

1. छोटी-छोटी बातों पर मित्रों को आँखें दिखाना दिनेश का स्वभाव बन गया है।

2. मुहावरा: प्राण सूख जाना
   वाक्य: परीक्षा का परिणाम सुनते ही मेरे प्राण सूख गए।
3. मुहावरा: फूटी आँख न सुहाना
4. मुहावरा: तूती बोलना – चारों ओर प्रभाव होना या चर्चा होना।
   वाक्य: अपने कार्यों से उसने पूरे विभाग में अपनी तूती बुलवा ली।

खण्ड 'ग' : पाठ्यपुस्तक (अंक 3)

प्रश्न 06 प्रश्नोत्तर (कोई एक) (अंक 3)

(1): हरिहर काका पाठ में यह स्पष्ट होता है कि पैसों के आगे रिश्ते-नाते बौने हो जाते हैं। काका के भाइयों और भतीजों को केवल उनकी संपत्ति से मतलब था। जब तक उनका पैसा चाहिए था, तब तक सब उनका आदर करते थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने ज़मीन देने से मना किया, सभी ने उन्हें छोड़ दिया। इससे सिद्ध होता है – बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया।

(2)आज शहरी एवं ग्रामीण जीवन में अकेलापन एक आम समस्या बन चुका है। हरिहर काका पाठ के अनुसार, जब परिवार के सदस्य स्वार्थवश अपने बुजुर्गों से दूर हो जाते हैं, तो वे अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। इससे मुक्ति के लिए परिवार में संवाद, आपसी सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव आवश्यक है। बुज़ुर्गों को निर्णयों में शामिल कर, उनका साथ देना चाहिए।

खण्ड 'घ' : लेखन (ई-मेल लेखन) (अंक 5)

प्रश्न 07: ई-मेल (अंक 5)

प्रेषक: ankit123@gmail.com
प्राप्तकर्ता: healthofficer@nagarnigam.in
विषय: हमारे क्षेत्र में सरकारी दवाखाना खुलवाने हेतु निवेदन
आदरणीय महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं अंकित, वार्ड संख्या 11, शिवनगर कॉलोनी का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में कोई भी सरकारी चिकित्सालय नहीं है। लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए 10–15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जिससे अनेक बार आपातकालीन स्थितियों में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
आपसे अनुरोध है कि शीघ्रातिशीघ्र हमारे क्षेत्र में एक सरकारी दवाखाना स्थापित किया जाए ताकि आमजन को चिकित्सा सुविधा सुलभ हो सके।
सादर,
अंकित
मो. – 9876543210
पता – वार्ड नं. 11, शिवनगर कॉलोनी, नगर

========== समाप्त ==========